1





...मा. ते ... ति पि ... ते ... द्यावि ... ॥

पुः ... नानादेवाः ... कथं ... पाताः पद ...

... ग्रामणीः ॥ ... ॥ ... प्रत्ययः ...

...ः ॥ स च कर्तरि ॥ ... ॥ ... ॥ ... ॥ ... ः ॥ ...

...विता ॥ ... पिता ॥ ... पिता ॥ ... ॥ इत्य ... णि ...

... ॥ ... ॥ ... ॥ ... ता ॥ ... ॥ ... ॥ ... ॥ ...

... ॥ ... ॥ पाचकः ॥ ... कः ॥ ... ॥ ... कः ॥ ...

...कः ॥ ... कः ॥ ... कः ॥ ... ॥ ...

...ता ॥ ... कः ॥ ... कः ॥ ... कः ॥ ... इति ... ॥

... ॥ ... ः ॥ ... ः ॥ ... ॥ ... ॥ ...

... ॥ ... ॥ ... ॥ ...

... पा ... विभुपायते ... ॥ पाये ... ॥

... ॥ ... ॥

[illegible]

॥१॥ [illegible] ॥२॥

2 [illegible]

[illegible]

नपुंसि निः ॥ पचादेरः ॥ कर्तर्यादेर्णः ॥ ब्रह्मादिभ्यो णिः ॥ पचः ॥ वदः ॥ अनः ॥ चरः ॥ पतः ॥ चरि
चलिपतिवदीनां वा द्वित्वं पूर्वस्यागागमश्चापरे ॥ चराचरः ॥ चलाचलः ॥ पतापतः ॥ वदावदः
हननेर्द्वित्वं घत्वं च ॥ घनाघनः ॥ पाटेर्णिलुक् चोकू दीर्घश्च पूर्वस्य ॥ पाटूपटः ॥ हलः ॥ पाठः ॥ नं
द्यनः ॥ नामनः ॥ दमनः ॥ साधनः ॥ वर्धनः ॥ शोभनः ॥ रोचनः ॥ रावनः ॥ सहनः ॥ लेप
नः ॥ रमनः ॥ जल्पनः ॥ लवणस्तालव्यं निपात्यम् ॥ ग्राही ॥ उत्साही ॥ उद्भासी ॥ स्थापी
स्थायी ॥ पायी ॥ मन्त्री ॥ अपाची ॥ अवादी ॥ अपराधी ॥ इत्यादेः णः ॥ इत्यादा
ज्ञाप्रेरः ॥ क्षिपति चतुर्वर्ण ॥ चतुर्विंशत्यादिषु पूर्वापरयोः न तान्तं निपाते भवति
प्रियः ॥ धापः ॥ धमः जिघ्रः ॥ पिबः ॥ ग्रः अं घ्रापार्द्रौ ॥ धमः ॥ आत्मपदगर्जे भोजि
पचिदर्शास्पार्शिवत्त्रिदजि चेति सानि सार्हेभ्यः शः ॥ लिपः ॥ विन्दः ॥ धारयः ॥ पारयः ॥
वेदयः ॥ उद्वेजयः ॥ चेतयः ॥ सातयः ॥ सातयः ॥ साहयः ॥ लिम्पः ॥ निलिम्पः ॥ गवादि
गुविन्दः संज्ञायाम् ॥ गोविन्दः ॥ अरविन्दम् ॥ दास्याजी वीः ॥ ददः ॥ दधः ॥ जेलायैः ॥
निलिम्पः
नेपाचितस्त इति कुबोधिः

ञ्जालं सरिः॥ ञ्जाखिले सुखे भावकेत्रणाघोः खे॥ ञ्जाखिले न सू ष्टते ञ्जाखि ने
जेवः॥ ञ्जाशितो भव त्व मे नैनिवा॥ रजोमवश्य॥ जने मे जपः॥ पंडिल मन्यः॥ पुंज च
पः॥ कुलं जपः॥ खशंते पूर्वपदस्यान्त अपस्य कुस्वः॥ मुष्टिं धयः॥ मुष्टिं धमः॥ नो
ऽिं धयः॥ नाडिंधमः॥ नाति केवपः॥ नासिकं धमः॥ कूलंकषः॥ कूलमुद्रुजः॥
मु लिहेः न पो गां ५ ञ्जजेतुंदः॥ ञ्जने व्याघ्रस्व क्षिमः॥ दूवाम न्याजाचिः॥ देवायु न्यमः॥ दूराविं २
लेलोऽ संज्ञस्यवः संज्ञापाने॥ द्राघी घाघः॥ वागेवा॥ वाग्वीवाल॥ वाग्वो वादि॥ के स्मि
जावः के शिसं पूर्वं च॥ वस्नो न संहतौ ति व सं संघातः॥ व सं संघातः॥ पद्मं संघातः॥ पद्मं
संघातः॥ जाया पत्यौ ष्ट केल सराविति के लौपि॥ जाया ग्रह॥ पति ग्नौ॥ स्व मन
ञ्जकलौ च॥ पनिघ्नी पाणिघ्नी॥ पाणिघ्नताडघौ शिल्पिनि॥ पाणिघः॥ ताड
घः शिल्पिनि सः॥ पाणिघातः॥ ताडघातः॥ राज ह्ना॥ मे जो व शाः॥ वेः लोपः
तु कुं नाच॥ कुख नाम॥ कुत्सा वाटा॥ नाम वाट॥ मोक्ष गतिः॥ पुष्णालु॥ स्व स

नायोऽ शाग्र
वलनं मोहो निपात्यते॥२॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ स्वर्ग [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ उद्यं [illegible]

[illegible] ॥ ३

सौजन्यतो १

करोति॥ विप्रश्चाकरोति॥ विप्रस्त्वकरोति॥ विप्रश्चासंपद्यते॥ विप्रस्त्वसंप

५ द्यते॥ देवमनुष्यपुत्रमत्स्यो वा वा॥ देव[illegible]चादवः॥ देवं वन्दे॥ स्तुवे

नयो॥ आयुसमागमस्थूपपलितं तस्यां भूमिपिपत्रुच्य पीपूपपदेर् लोमः कोर ५

शोऽपि ख्यु[illegible] दृष्टत्यपः॥ अनामा [illegible] कुर्यात् तले ना [illegible] केन शाम॥ स्तुवः

स्तव[illegible] स्तुकलो कलीनि॥ अनाम आ[illegible] भवति॥ आ[illegible] मेव[illegible]

आ[illegible]भावकः॥ आलोमानि पकाविशानिपः॥ नाम्न्युपपदे आदंता

[illegible] तमस्वेति॥ स्तुदमा॥ स्था मी॥ तादो किति हो लोमा स्थामि

वति [illegible] अपि [illegible] कपिवती नामि: किति [illegible] किपवान

उ[illegible]॥ [illegible]पीवा॥ वलपीवा॥ अनादंतादपि॥ स्तुकर्मा॥ [illegible]पिति

बेहत्रोप:२
तास्मादोहक्चस्तिपोगेनास्न थिवु:॥ व्योदीर्घई वास्याचोपनेऽवर्सत्स्वई इडतो
ईर्दी:॥ मिथुनोकनराम्॥ थुकोभाव:॥ छहापोस्यात्॥ थुचोभवति॥ हेतूलतम॥
चोसलोप:॥ सुमनोभाव:॥ अनूकयोति॥ चहूकेयोति॥ सुचेतोकयोति॥
नहीभवति॥ विनजोकयोति॥ कचित्॥ दु:स्वाकयोति॥ सुस्वाकयोति॥
शम्वाकयोति॥ द्विगुणाकयोति॥ नोआकयोति॥ अमपस्पचाबीतंन॥ दो
बाम्लमह:॥ दिवाम्लानानि:॥ हसात्मनस्पापत्यपकारेलोपस्वे॥ आ
र्गोभवति॥ नोकुल:॥ भाजीकयोति॥ चिविधपेस्याद्वा॥ सात्पदायो:कस्प
बलंन॥ अभिलसान्द्रवति॥ अन्नोभवति॥ सम्परवोगेचा॥ जलसात्संपद्यते
सधीने॥ पाजसात्संपद्यते॥ राजसात्कयोति॥ देवेत्रावा॥ विशाधीनेदेय
कश्चितस्यापन:केकेराराम्बन्नेप

भैंत्रपी:॥ भ्यांकसं: ठौ तुप यापाद्त बौंग्राप्राप्ती:॥ सौनमू:॥ इस

४ कनौकि भूकाद्दृस्स:॥ लत्तु हत्॥ म सभू:॥ नेपचौ द्वौपि: ठौनूल

वेन्या दैहिवप्रताप॥ मू चौ पीद्रस पुचौपा [illegible] वौ:॥ भू:॥ तुम्रौ॥ ४

५ भू:॥ तुत्रौ॥ डुंह: कौ बुड जादरान्व॥ कानडुजा॥ इदौ भूइस बौकपमाने न

कै॥ उपमाने कुम्भेरपुषपदेद्दरौ ठंन सचौ चातिप॥ श्रीसवौदि:॥

एवुपनेश्रुस वौदैन नूवम्॥ अन्याद्दश:॥ किभि बांकौ रौ॥ कौ दृश:॥

कौ दृशौ॥ ईदृश:॥ ईदृशे॥ ईदृशी:॥ सर्वौदृश:॥ मैवादृश:॥ तादृश:॥

त्वादृश:॥ मादृश:॥ अस्मादृश:॥ युष्मादृश:॥ कौतिन तौते॥ यातेन

तौते नु ते कौले चाकिानि:॥ श्रुपिन टौमेनाया कौ दृन ठौन

[illegible] [illegible] ग्र॰ ५

कालेतु [illegible] ॥ इरा गतो ॥ प्रातनित्या ॥ व [illegible] स्मात्संघ ॥ विज्ञावा ॥ यो
रा ॥ [illegible] ॥ नाजतु घा ॥ तुत्वा ॥ धीवा ॥ वेवा ॥ किन ॥ वाते: ॥
कर्मेकृत ॥ [illegible] चित्त ॥ सोमकृत ॥ सोमप्रा: ॥ [illegible] ॥ किंचिति
[illegible] कृ के पु [illegible] श्रीरां [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
से कै [illegible] सादृ: ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
कर्पू: ॥ [illegible] गतो ॥ [illegible] ॥ [illegible] सानराम [illegible] ॥ [illegible]
कीर्णा [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] गत ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ तुनत ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ दपुन ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]

ब्रह्मन त्वं तपो वेदी ब्रह्मो वि प्र: प्रजापति: इति विष्णु: २

पाजी॥ पितृ न बालो॥ उ सभो जो॥ जो वा स्था पिड स राशि॥ किं वि
का:॥ धा तो न ती ले का ले पो ले चे ते॥ ब्रह्म हा, सू का हा॥ व चे हा॥ बु हो ता॥
के सेल ल:॥ पाप के ल॥ स्त्रि नि वि र॥ सो म सुत॥ प न्या॥ सर्वे प र॥
स चै ज र स्त्रा॥ सं स्का न ज:॥ प्र जा॥ अ ज:॥ हि ज:॥ प वि त्र: स्वा ना पा ति स:॥
लो ति व नू॥ धा तो न ती ते का ते स तो॥ को यं व का पि प्रो: क ली ति के
व तु:॥ स्वा त स्ता ले त: क ट:॥ वि हु द्वि श्वं ल त वा स:॥ ज ल पा द लो
सो को लो ती पि लो सा व क र्म्ये रा ते न ति॥ कं जा ज ल:॥ स्थि त:॥ म नो
म सा द्वि ति म चे दी वं: को न य धा ते:॥ मं व:॥ श्रि य क्रो ड स्वा को

मध्यमादृष्ट्याम्भिनस्य सुजलम्‌ ३

१७॥ अदिजनुः किलिनजोत्रै ॥ जम्बम्य ॥ नः ॥ प्रान्तिनस्य नोभिम् ॥ विकी
सोः ॥ जीसीन ॥ प्राचोदितस्य ॥ प्रादेशोद्भूतस्य पातोः भित्तस्य न्ये
मवाणि ॥ नूनः ॥ नूलवन् ॥ उद्भिन्नः ॥ द्विनः ॥ लीनः ॥ पीतम् ॥ धीनः ॥ दुग्धो ॥९
७ दीर्घ ॥ दूनः ॥ गूनः ॥ श्विषोदीर्घः कृतिनिष्ठितेवत्वो नतेन च ॥ क्षीणः ॥ क्षी
णवान् ॥ कृतिविकृतम् ॥ खिनम् ॥ पक्वः ॥ पक्वप्रोक्षादिना दिनान्तिनस्य
स्य नत्वम् ॥ क्षामः ॥ म्लानः ॥ उद्विदितस्याप्राहीतिनिर्वाणो वा ॥ वातः ॥
क्षामः ॥ श्रान्तः ॥ ग्रामः ॥ हीनः ॥ हिंसः ॥ शुल्कः ॥ उल्बणः ॥ विदथे वा प्रसो ॥
वित्तः ॥ विन्नः ॥ उन्दीनोधने ॥ उन्नः ॥ उद्यः ॥ विन्नो ... लोमुनि वन्धादे
निर्वाणस्तृणामिति ॥ दादिनिष्टाद्भूतस्य पादना किलिनकाले

यावीम धा॥ इश्वभू॥ जस्पर्शा धाः स्पः॥ इयमन्ता॥ स्पर्शे चापि स्पः प्रवतारस्ता
स्यान्नि छायाभू॥ स्पा स्पर्शी॥ स्पैङ्गानिछायतस्य नः स्पाद स्पर्शे चार्थे मैवङ्गत्तौ ५

रांकिलिलितस्य मो वा व प्रस्फिमः॥ प्रलीलः॥ घुषेः कः॥ घुष्कः॥ घुष्कवान्॥
॥८॥ स्फायः स्फीति क्तिनि॥ स्फीतः॥ स्फीतवान्॥ वेद॥ धीतम्॥ गीतम्॥ धीतवे॥
गीतं स्तन
यस्पर्शे दा॥ दितम्॥ तो॥ सितम्॥ मितम्॥ सेः॥ तो वत्योर्मिनोपः॥ वोनितः॥ वो ॥८॥
किम् नितवान्॥ पाचितः॥ ङ सौन्दि॥ ङ सुतः॥ इवस्य कादिन्ये स्पर्शे चापि विपे
शीतं ज ङः स्वप्रसारा रांकितस्य येनत्वे वेनतु स्पर्शे॥ शीतम्॥ इतम्॥
ये इव स्पर्शेतु॥ शीतं जलम्॥ अंचेङ्कितस्यपत्तलं नत्वपा दने॥ समक्तः॥ अ
तुंस्पर्श ञ्जतो॥ उदकमुदके तूपाम्॥ दिवोडावीजिमा वा भाग्म्॥ आपूनः॥ विजिगी
चारि नि षन्तः॥ पूनम्॥ मनुपस्पर्शे ञ्जल्ल लोवं लुशो भ्यो निपात्यते॥ निपून्नः॥
फुसां१ फुल्लचौम्॥ प्रोवन्दे॥ प्रोतेमतः॥ लर्षाजातु॥ नाधृष्टो ष्ट्रारालेम धीयोः॥
किम् सम्मत भित्तलग्न वक्तिता त्तो
तद्या नौ वंछिकः शीतासंकुचित प्रोवादी जांतलोपामिपात्यते
लर्प:४ लर्पतनूकनदो१

दाधूदेपा०ङ्किना १

न तृपितः॥ दलः॥ दल गन्॥ स्वगतो वा॥ उपसर्गात् स्वगं ना दुलनस्य दाइत

स्तो वा किति न को ये॥ न तृपितः॥ प्रलः॥ प्रदलः॥ अपलः॥ अवदलः॥ नाम

नोपसर्गस्य दिवे धिपैतकाये॥ सूलम्॥ मीलम्॥ धान्यो हि किति॥ नि

हितः॥ आख्यायूर्ध्विमदिभोन न तुम्॥ प्रातः॥ ख्यातः॥ पूर्तः॥ मूर्तिः॥

मतः॥ पत्रु॥ उदीम्॥ उपदः॥ तुदः॥ भेदः॥ भीतः॥ वेज॥ हूनः॥ उदितः॥

मतः॥ वसति क्षुधोरिट् को नो मेव नू नोम्॥ उषितः॥ क्षुधितः॥ मि

पू॥ तुमः॥ अनि दुः ले जेवलो नोदि॥ मोत्रस्तु॥ वर्तः॥ अस्वेः पूजा

कम्पिता॥ अञ्चितः॥ स्मकः॥ नोनः॥ पचोवः गौ ले वलो नासु॥ ५ कः

पक्वोवा॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ जामवानः॥ प्रल्म तपला न

वललोपइइन्गो गैर्नि इन्माकेनिपात्यते। मालबुलगते।

वृषर्षकौ॥ वृष्ठः॥ त्रिषाश्रितः॥ अन्येतु वर्षितः॥ त्रिषाश्रितः॥ हृष्टहिरु
कौ॥ हृष्ठः॥ स्पूलोपलोमाः॥ हृहितोहि हितोऽन्यः॥ वहहिहिदो॥ अ
॥८॥ मौपमिदंष्ठः॥ पमिदंहितो॥ पमिदंहितोऽन्यः॥ केशमहंकेशोऽकष्ट
कष्ठोमोहः॥ केशस्मास्मे॥ कषितमन्यत्॥ घुष्ठोविघुष्टने॥ घुष्ठ ॥८॥
गजः॥ अविराद्वनेपि॥ घुषितेवा मेम्॥ अभ्यमेमाविद्रुषे॥ अ दलोप
न्यार्द्दितमन्यत्॥ वृतंश्रीनहविषोऽपाके॥ श्रृतंश्रीतम॥ हविषे नातु॥ निपात
मारोऽश्रपितेवा॥ दांतोद्वोवात्निपात्यते॥ दांतः॥ दमितः॥ शांतः॥ श ते
मितः॥ पूर्णः॥ पूरितः॥ दासदाने॥ दस्तः॥ दासितः॥ स्पष्टः॥ स्पा
शितः॥ छन्नेश्चापवारणे॥ छन्नः॥ छादितः॥ ज्ञप्तः॥ ज्ञपितः॥ छष्ठः॥

अद्यैषिनिपात्यते। अद्दुनिपात्यते

ज्यमानस्योपधाया दीर्घः । म्लानः ॥ अत्र तु इडभावः निपात्यते ॥

दरिद्रिति ॥

उद्योतोमिलितोगः ॥ उपसर्गात्तु ॥ चन्द्रकोनतडलिकिलि ॥ [illegible] नुत्ति [illegible]

प्रत्ययो [illegible] ॥ [illegible] ॥ उत्कृष्टोत्कृष्टो च ॥ विन्नो [illegible] ॥ वित्तं भोगप्रत्ययोः ॥

धनम् ॥ वित्तः प्रतीतः ॥ अन्यत्र विन्नः ॥ भित्तं शकलम् ॥ भिन्नमन्यत् ॥ ऋ

णमाधमर्ण्ये ॥ ऋतमन्यत् ॥ क्षुब्धस्वान्तध्वान्तलग्नम्लिष्टविरिब्धफा

ण्टबाढानि ॥ मन्थमनस्तमःसक्ताविस्पष्टस्वरानायासभृशेषु ॥ क्षुब्धो

मन्थः ॥ स्वान्तं मनः ॥ ध्वान्तं तमः ॥ लग्नं सक्तम् ॥ म्लिष्टमविस्पष्टम्

विरिब्धः स्वरः ॥ फाण्टमनायाससाध्यः ॥ बाढं [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ अन्यत्तु ॥ क्षुभितम् ॥ स्वनितम् ॥ ध्वनितम् ॥ लगितम्

म्लेच्छितम् ॥ विरेभितम् ॥ फणितम् ॥ बाहितम् ॥ धृष्टशस्तावविनीतौ ॥

[illegible] निपात्यते ॥ [illegible]

नेमस्वे [illegible] निपात्य [illegible] ॥ इडभावो निपात्यते ॥ [illegible]

नत्वेति [illegible]

[illegible] निपात्यते ॥

न्यस्मात्॥ गमहनविदविशादृशां॥ वा॥ वभूवान्॥ बेभिद्वान्॥ वभूवुषः
आदिवान्॥ आदिवान्॥ दधिवान्॥ ददिवान्॥ वसोः॥ लेकतेड मा
ऽः॥ आदुषः॥ जग्मिवान्॥ जग्मिवान्॥ जगन्वान्॥ जघ्निवान्॥ जघ
१० न्वान्॥ जघ्नुषः॥ विविदिवान्॥ विविद्वान्॥ विविदुषः॥ विविशिवान्॥
विविश्वान्॥ ददृशिवान्॥ ददृश्वान्॥ ददृशुषः॥ ईजिवान्॥ ईजुषः॥
10 सेदिवान्॥ ऊषिवान्॥ ऊषुषः॥ शुश्रुवान्॥ शुश्रुवुषः॥ शान्तशा १०
नोति बिभेति जिघ्राणाम्॥ क्रियापांतस्यमा नापांधातोः॥ शान्तशा
नौ भवतः॥ नौ च लिङ्गे वा॥ पचन्तौ लिः॥ पठन्ति॥ छति॥ माघे
न्ताऽध्यि॥ जगन्वैः॥ मानः पचमानः॥ आसः॥ पात्॥ पचमानः

रुषितः॥ अभ्यान्तः॥ अभ्यमितः॥ तूर्णः॥ त्वरितः॥ संघुष्टः॥ संघुषितः॥ आस्वा-
न्तः॥ आस्वनितः॥ हृष्टम्॥ हृषितम्॥ लोम॥ अपचायितः॥ अपचितः॥ प्या-
नः॥ पीनः॥ पीनम्॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible] पा-
[illegible] स्त्यानः [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible] पानं नम-
[illegible]॥ [illegible]॥१॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]

[illegible] [illegible]

३३ ६४ ६१५ विष्णुः जीवे ऽठि मे सा चक्षिमेड

अर्द्धः। पृसोपाम्राः। अहिन्ना। भीलो तन्वः॥ कण्ठेकनो॥ हुतोणालेना॥ इस्नु
सुकुः॥ शीलेः॥ अलंकरिष्णुः॥ निराकरिष्णुः॥ प्रजनिष्णुः॥ जिष्णुके
॥२१॥ त्नो॥ स्तो॥ जिष्णुः॥ भूष्णुः॥ ग्लास्नुः॥ म्लस्नुः॥ धृष्णुः॥ क्षिप्नुः॥ वि
ष्णुः॥ सा कोकसाः॥ पालेऽर्थे षाकडडकेकाप्रत्यया॥ जल्पाकः॥ भि ॥२१॥
क्षाकः॥ कुट्टकेदलो॥ जल्पाकः॥ जुहावोधे॥ कुहराकः॥ वकेकः॥ लु
॥ मिथुप्रात्यापाम्॥ जिनुः॥ श्रापोडुः॥ विकीर्णुः॥ जाडुकः॥ पादकेः बले
पाडुकः॥ स्थाडुकः॥ मोडकः॥ लुडके बलेः॥ वर्तुकः॥ गातुकः॥ कोसुकः॥
लासुकः॥ भातुकेः॥ कन्दर्पो गातुः॥ कागातुः॥ वेन्दातुः॥ स्थाहिरोहि
पतिपथिनिपातन अथ पौडुः आजोडुः॥ स्फुलेतोडुः॥ रुतेडुः॥

स्यायात्मसुगादेजेनाः॥

इतु सार्वैा जक्षादीनां पातुन्नेमनपौवा॥ ४

यछन्ति ॥ मन्वानः ॥ कुर्शीराः ॥ पीड़मानः सोमो मवन्नादीक्षमानाशौः ॥
आसनानं ईः ॥ आसेः परस्या नस्यातईः ॥ आसीनः ॥ वाद्दीपोः शातुः ॥
तुदन्ते ॥ तुदन्तो ॥ तुदन्तीकुले ॥ स्त्रीवा ॥ अप्यशोनान्नित्यम् ॥ भवन्त् ॥
भवन्ती ॥ दीप्यन्ती ॥ ददन् ॥ दधत् ॥ विदेर्वसुः ॥ वेत्तेः परस्य शतुर्वा
वसुनादेशः ॥ विद्वान् ॥ विदन् ॥ सा न्ना कोरो ॥ साजीवन्नू ॥ लघुराहेतोः
क्रियायाः ॥ शयाना भुञ्जते यवनाः ॥ अर्जयन्वसति ॥ अवि ... सपश
न्यानस्यवतः ॥ जेमि अन् ॥ जन्मिव्यस्मानेः ॥ ता ... स्सेवप्रा पचन पा कि का
नम् ॥ भोगं भुञ्जानः ॥ कवचं बिभ्राणः ॥ धातुर्गन्निद्रोनः ॥ इङ् धार्यो
शक्तिष्विकर्म ॥ अधीयन् ॥ धारयन् ॥ द्विषः शतुः ॥ द्विषन् ॥

अजोम्रतिपत्तौ ६ सेवप्राराधानरे ॥ ५

जघ्रौप्रजनो दोन्बद्रोदोदेः। दाचः। घञेः। सेतुः। स्वसुस्वदः हञ्जः। स्मेराघ
११ बस्कः। श्वपचः। मज्जमामसिदत्तुनः। मेगुनः। माद्युनः। मेडुनः। विदिविदि
च्छिदेः कुनः। रिङ्गः। मिङ्गुन्मः। स्थिङ्गुन्मः। हस्तान्ने। जिसतिभ्यः। केदश्च। इ
षेनो। नखनः। जिलनः। स्फलेनः। गमेर्डोपश्च। गलनः। जासातीर्डेः। १२
12 जागहूके। पङ्कृकः। भ्रजजपदेश्चावदेश्नोपङ्जोम्भडकेः। मोलो। ज्ञेको। हृके
लानि धडोजुको। पापजूकेः। जेजपूकः। देदमूकेः। वावदूकः॥ मिपः कुकुके कु
काः॥ मीतः। जोजुकः। मीजुकः। नमादेः। नमेः। कम्मः। स्मेनः। नगेर्द्वी जा
सिः। किपालालतो। श्रजसमः। कम्पः। हिंसः। दीप्रः। विन्दुइचेनोलिपातो
विलिलतच्चोलोविन्दुः। इच्छेनोलिइच्छुः। लपिलाङ्घटेनोजिङ्गः। लघुक्ता
नमके। कः। च।

पतप्राभुः। दस्राभुः। निद्राभुः। [illegible]। तन्द्राभुः। प्रवद्धाभुः। प्राप्रा
भुः।। शमादिभ्यो घिनुण्।। शमी। तमी। दमी। श्रमी। भ्रमी। क्लमी। प्रमादी। [illegible]
कत्थो [illegible]।। [illegible]।। संपर्की।। सं
सर्गी।। योगी।। विवेकी। त्यागी। रागी। भागी। विकाषी।। विलासी। अपलाषी।
प्रलापी। प्रसारी। प्रमाथी। प्रवासी। निन्दो वुञ्। निन्दकः। हिंसकः। परि
क्षेपकः। परिवादकः। चलनशब्दार्थादकर्मकाद्युच्।। चलनः। चोपनः। कं भुपमन्त्र
पनः। शब्दनः। रवणः। इङितो। [illegible]। [illegible]।। अनु कंपनोप
दात्तेतश्च हलादेः [illegible]।। वर्तनः। [illegible]। जुचंक्रम्य [illegible]। जवनः।
सरणः।। गर्द्धनः। क्रोधनः। रोषणः। मण्डनः। भूषणः।। [illegible]।।
[illegible] [illegible]
शब्दार्थक्रियाणाम् [illegible]

१२ कलेवत्तः कल्स्वालककेळशलेनवाको तिलकं कत्तुः। सादेतुः। सिपुलोऽस्मिन्नै १२
नानिमत्वाणि ग्रीवदेशः। कापुरजगारः। तन्तुर्वस्त्रः। चेतुः। सेतुः। वस्त्वादि वटेवढ
मुष्टिः। तनुः। धनधान्यो। धन्तुः। कुमिस्तूः। मस्तुः। अप्सुस्वत्वम्। कतुः। वर्तुः।
13 प्रत्यागीनिधातुर्वज्रम्। सक्तुनाधुपकोपधाः। अप्सुसौहम्। वस्त्रा। हेतुर्वर्तो
कोष्टा। तन्तुः। मन्तुः। विन्तुः। स्पन्देः संप्रसारणं धश्च॥ सिन्धुः। उन्दे पटाषेल
निवादेः। उनत्ति॥ इन्दुः। स्कन्देः सलोपश्च। कन्दुः। ऋजेगुक्सू सलोपश्च।
रज्जुः। फलेगुक्। फल्गुः। पटेः पटुः। पातेरतोरीति पटुः। मनेर्धः। मधु। जनेस्तः। ३० गु
जतुः। जायते जतु। वलेगुक्। वल्गु। नमेर्नाकिः॥ नमयतेऽनेनेति नाकुः। कु
वल्गीवलम्। स्यतेः कुः सवत्सा। शिशुः कीलः। पाणौ दिवा॥ पशुन्स्वोऽपवर्गे

आह्लः।क्रिं्दुःस्वमूर्तोश्चादत्ता इदत्ता ज्ञानितप्तिनमिभ्यः।सास हिवावे
हिचाय सिपापति भ्यः।किं।प्रत्यग्ग्नेषो लेधानो स्वद्दु त्वम्॥ किछिंङ्क्यः।
नाम्यः।सासंपप्तिप्तिहे द्दिगो स्वक्रिनभूतम्॥पाजकान्वेविनाजहिः।पो
रुश्रीच्केमहर्दु जानन्॥१॥जाप्ति०।नेमिःजाजिजः।सासहिः।०॥ कादेवसा
काजुःश्रिस्वी।वातीतिवाउः।पाशुग्दम्॥ जयुत्वामिभवतिनेताल्॥जो
पुत्रो दधम्॥ भिनेतिप्रहिपालिउ आसीमाति नाजुः।पितामः।साधुतिपत्र
कास्यािरासाधुः।स्वादुः।श्रभ्रुते श्राउपोद्दु माधुः।हृष्ठिलहतिहतु।
सातुः।जेमेखुसा।जानु।यातुनमृम्॥चौदुपिपु वव्यम्॥ किंप्रट सा। तोतिकि
सातुः।स्वनमेनितन नपुर्णलीयाप॥नोनसस॥तेनत्यवेनव सोहनितलाउ

चटरावे

कुकर्खड्गाद्दले१ अरण्यपाले महत्स्रायाम् स्व पें१

किनइप तोवे कुक्षिः। कुक्षुः। मठ्ठवः। मेखुवः। प्रात्तवेणाद्रो॥ कुड्लि श्व प्वर्णौ॥ थलुत्रुवः। श्र
विमह्यो विमुः॥ अविवः। कहिलः॥ श्व मेट्टुच्चि। श्रौजिष्ठम्॥ ठहेठ्ठिः॥ गोहिषः॥ ॥२४॥
किलेठेक्॥ किलिठम्॥ म घाट्टिठवः॥ मट्टिवा॥ तुटिवः। म ठ्ठिवम्॥ तिमिवर
॥१८॥ ... वठ्ठिवम्॥ तु विवम् वठ्ठिवः। श्रु ठ्ठिवम्॥ श्रुजिनादत्रो जिनाल्याः।
मिहिवः॥ त्रुठ्ठिवम्॥ तु। विवम् वठ्ठिवः। श्रु मावने॥ ठ्ठिठिलम्॥ स्युवम्॥
श्रजिवम्॥ कास्तालि ठ्ठिठ्ठिवम्॥ वलव माव ने॥ ठ्ठिठिलम्॥ सत्कलौ॥ तलि
14 स्फा पी स्फिवम्॥ स्थविवः। स्वढिवः। पौड्। ठ्ठिठिवम्॥ सत्कलौ॥ कपिलः॥ मथ्यन्तोपिप्रठो
लेम्॥ श्रकिलः॥ महिला॥ कोकिलः। कुलिलठ। केपू॥ कपिलः॥ मध्यन्तोपिपठो
वलिठिला॥ कुवेनादत्रोऽपि॥ कुवेवः॥ कववेतौ॥ कपोलः॥ नालेडिवटुः॥ चवान्
ठ्ठिवोनादतः। ठ्ठि श्र यातोतिठ्ठिदोवः॥ कठले वु गीवलो॥ केतोवः। चकोरः॥
कपि। कपोलः॥ पटोलः॥ मिञ्जलेवः॥ मपूरः॥ स्पन्दः सेवसानरान्॥ सिन्दूरः

श्रामिषलाठ्ठेरामीमतथासीमदा ... तुलि

नमभायशेन [illegible]

वद्गुभिन्वत्नानविस्तोवसूनकुजपिङ्कुसो। वधः कुः। विपुः। केसोवतुः॥ अतुः। ग्रजः।
नेपतसेत्॥ अनिष्ठंनपेलो पिलिनिपुः॥ अजिप्धिवाकम्पालिपिपकिलवाघाजीजिपदितुके
धृकदि ब्रीहि जायाम्वा॥ अजीपदी लितुराा न्हुःचुः॥ सवोनश्वित्वेशाप पातोलिपुतुः।
कतुः। अमनोरोऽश्र न्वुः। फौछुः। बाधो। वहुः। प्रपिपुरि वेन्नोलंप्रलान वोसलोपश्च।
पतुः। सदुः। न्ने कोटुः। न्वेकुः। न्ध जालितपसा भ्वः। लोतिर्ह द्योकोलोपश्च। न
ब्रुः। वोलप्रलय प्रतुलीनोकालस्पनः। नहुः। वहुः। उकोतेनुलोपश्च। डुजः॥ मह
लिपुलश्चउतु महत्। आङ्पनोः स्वनि रभ्यांडिचा श्रा स्वनतोत्वाखुः। पुनघुः न पिविल
द्रुश्चाडुः। पानपाद्रुवलोतिपानडुः। सःना पानपोक्तिपात्याः॥ स्नापानोति डने
गपुः। धंकुः। नौलेकुः। मन्याद्विजैः। मन्तुनामपुरा। पतुनः॥ मंकुः। मडुना
दपो। [illegible]॥ केद्वनो॥ केडुः। वन्धुनः। वन्धुनः॥

[illegible]नाः १

निपूर्वः अन्तुगनिपुजनरोः ६ न्यकुमोगः ६

मतेष्ट्रिलोपश्च ८ विडम्बेदन्तेः ८ गुडकाले ३ कटकौटिल्ये २

शमेः खः॥ शंखः॥ करोखः॥ कखः। रकसादयः कलप्रत्यया नानिपात्याः
तथैव। शम्। शम्बलः॥ पलालम्। सरलः। तरलः। कम्। कम्बलः। मुस
लखलः। शाप्। शाबलः॥ पलालम्। सरलः। तरलः। कम्। कम्बलः॥ कौ

॥१५॥ रवण्डने। मुसलम्। नेगि। लाङ्गूलम्। कुम्भलः। कुञ्जलः॥ कश्मलम्॥ को ॥१५॥
मलम्॥ मञ्जूलम्। तुम्। वल्कलम्। केवलः। असहायः। दकलोदवन्ध्यो
पजीवी॥ कुकलम्॥ शम्सलम्। डी। दुकूलम्॥ मञ्जालम्। दक्षाः। दम्ः॥ गम
नयाः॥ खरुः॥ क्वजादिभ्यः किः॥ गुडः। स्थाले। स्थालम्। स्थालौ
पात्रिविशेषः॥ पातालम्॥ चाण्डालः। तमादिभ्यः कालः। तमालः। व्याल
लमालः। शिबालः। विडालः॥ मृणालम्। कुलालः। कपालम्। प
लालम्। पलादिभ्यो डुः॥ पतडुः॥ तर्कुः॥ लवडुः॥ विडङ्गः। विडङ्
मडुः॥ जम्बूडाः॥ जडुः॥ शृङ्गः। खडुः॥ मङ्गर्दः। मरुः। मङ्गुः। फल्गुः॥
कोरगल्स खि८ केवलं स्वाने बन्धु पच८

कृशः ॥ कनुः ॥ संस्तुः ॥ धानुः ॥ क्रोष्टा ॥ अर्तेस्तुक् ॥ अतुः ॥
स्पादेस्तुः ॥ सितनिगमिसितुः ॥ तन्तुः ॥ मंस्तुः ॥ सक्तुः ॥ धातुः ॥ क्रोष्टा ॥ अर्तेस्तुक् ॥ अतुः ॥
मन्तुः ॥ जन्तुः ॥ चार्यः कि ॥ केतुः ॥ वस्तु ॥ आगारे णिच्च ॥ वास्तु ॥ कृसः कतुः ॥ केतुः ॥
जीवेरातृक् ॥ इस्य ॥ जैवातृकः ॥ कृवापादिभ्यः ॥ करूः ॥ खजेख्यापने ॥ खजूः ॥ त्रपिश
वहोधश्च ॥ वधूः ॥ कषेश्छश्च ॥ कच्छूः ॥ कसेस्त्वा पृ ॥ कासूः ॥ पादूः ॥ अलाबूः ॥ वसेर्लवे
कशेरूः ॥ दम्भेश्च ॥ दर्दुः ॥ अन्दूदृन्भूजम्बूकफेलूकर्कन्धूदिधिषूः ॥ मृजेर्गुणित्ः ॥ मृजूः ॥ अजूः ॥ ग्रि
लोलिकर्कन्धूः ॥ क्षिपे देर्घ स्यात् ॥ दिधिषूः ॥ कृजोऽतिः ॥ मृतुः ॥ ऋतुः ॥ गि
त्तेजतिलालसृत्तुः ॥ गम्भीरः ॥ चेतेः ॥ बहुलम् ॥ हृदि वितिः ॥ हलतोऽतिः
चित् ॥ दवित् ॥ तमित् ॥ जो हित् ॥ पृषद्गति सो जौ धातुः ॥ पोषित् ॥ तानि
तुवः ॥ तरित्र ॥ ... ॥ अन्तः ॥ कम्बोजः ॥ केमठः ॥ जरठः ॥ नक्षेवोढः ॥ राष्ट्रम्
तडश्चमिष्यते ।

भ्रमाति कमला निति १ उक्तेतेनेते आस्थिसार: २ शुगतौ ४
धातो रिङ्गा रत्नोप: ३ पूर्वकोट ३ स्वाशब्दे ६ रेफादस्य दीर्घत्वं १

स्वाद्य:॥ स्वपतो निष्ठा॥ पउह्या॥ पूषो॥ प्रिहता लो॥ प्रेहते॥ [illegible]ही हाम प्र[illegible]स्यासि
न्नाहते मूर्च्छा॥ मज्जत्यास्यास्त्र मंज्जा॥ अर्धपूर्वो माङ्॥ अर्धमा॥ मालधं नानि प्र १६
स्वप्नि मात निष्ठा॥ महत्त्व आशा म॥ मधुवा॥ हे हर्ष्या मेरु:॥ कनेरु:
हरेरु:॥ कुशादेः स्थः॥ कुष्ठम्॥ नष्ठिः॥ काष्ठम्॥ अवष्टम्भ॥ उष्ठादेत्य:॥
श्रोष्ठ:॥ कोष्ठम्॥ गाथा॥ अर्थः॥ पोथः॥ सन्नीरित्॥ साधि:॥ निशीथा
दृष:॥ निशीथ:॥ नेमिम्॥ निम्पम्॥ द्विधाम्॥ पलम्॥ यूपम्॥
पूपम्॥ प्रोपष॥ स्कन्धादेः कं॥ स्पन्दनम्॥ नन्दि॥ तन्त्रम्॥ वंचु॥ वक्रम्॥
शक्र:॥ विप्र:॥ सुंदु:॥ उन्दी इंदु:॥ बिन्ता॥ विवरम्॥ वत्र:॥ वान:॥ नीवम्॥
छिद्रम्॥ उस्ता॥ स्तुवन्॥ अमिता मोर्दीर्घ:॥ ग्रामम्॥ नामम्॥ निद्राव
दृप:॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ उ:खेनेड्पते द्रुमम्॥ लोतो॥

श्रीइन्द्रायनमः ५ खरकं षारारु१

घाङ्क्रम्।पूगः।कुङ्कुः।वानदाद्रुः।ग्रो।ऽप्रिवत्सराजाः।मद्रः।दारत्।हस्तिः।दन्त।
दृष्टान्तः।प्रजेः।प्रद्युत।नेः।लद।उजेष्ठा।पदाइराम्।६।लद।मित्रो।ऽजिः।भुक्।स्व
स्वा।मित्रक।प्रयाति।भां।मदिरा।प्रव।सोक्षे।प्रजन्दा।असन्दा।त्वादिभिः।।तो
मः।सोमः।होमः।घर्मः।क्षेमम्।भामः।पामः।वामः।पूरन्।नेमः।जिह्मादेः।
हाक्।जिह्मः।महत्।मानः।सिमम्।कुङ्कुमं।पद्मानः।धूमः।रुग्मम्।उरि।
उत्तमम्।तिग्मम्।हन्ता।हिमम्।भीमः।भीष्मः।वेष्मः।महत्।गोघ्नः।पृथि
वीवसंज्ञसानरान्।।पृथिवी।असादेः।अश्वः।रघुन्।विश्वम्।सर्वादि
नाम्।।त्यादर्वैः।।स्तनमनोन।विश्वमिति।सर्वैः।गर्वैः।शर्वैः।।ज्योवादयः।।
लीवा।लिहन्।स्तनयन्।पा।जिह्वा।वाटःकेन।।प्रजा।दष्टा।नृपा।केशा।
घ...।अहः।

रत्नसेचनो।५

ते:। नाडिरा:। आछोले:। किपूहत्वप्व॥ आप:। अम्ह:। ग्लाञ्ज दिग्नांडी:। डौं:।
८ नो:। राले डे:। ना:। नाणे। ज ने डी:। जो:। भ्र मेडू:। ञ्जं:। दमे डी सदो:। दोषो। प ने ४
मिज आदि द्रौ:। व निद्रे। अमेन मूसादि घोणे ग्रुग्र त्मप:। नष्टान्ना। उन्देडौ लोपव्व।
मोदन:। गमेडो दे स:। ग ग नम्। अन्नेनाऽ पिघ्र:। स्पन्दनं॥ नोचना॥
17 नञि नो: व्रु:। न ज नम्। ह्न। किन सा:। छदो र्भिप। भिवरा। न घाम:।
नि धनम्॥ प दादप:॥ प तुसे वमे। प षत्। प ष्टनी। प तनि॥ वहेद।
महान्। विपूर्गोहन्। वेहत्। नप्तूने छत्व दुहोत्तणो र धा त्ला मात्मा
तपिद्रे डुहित्न्ह्लोल इते निपातमणो लम स्प धान्नो:। नपत नप्ने नन
स्ना। नो। नेष्टा। त्विष्ट्। त्वेष्टा। होता। पोता। ओम्। वाला। जाया। माति

कुडदोहः ८ दस्त्र ठौमी श्रापेचः ८

जध्रुः। स्थूलद्धेः।
स्तनः। नोदधत्तीति उद्रुः। जोहः। स्वादिकः॥ सुरः। स्तनः। धीरः। जध्रः। चषिः।
नुः। सोचो पातुः। स्तनः। सि। सीनम्। चि। चीनम्। पाविन्धिः। चोधुमः। उवेसनवापे।
वध्रैम्। वध्रः। इन्दुः। ऋगि। ऋम्यम्। वज्रम्। दुंवद्र। विप्रः। इणाद्दनां निवा।
उग्मः॥ [illegible] मो। भेनो। प्रुवधेप्रुभो। प्रुकः। [illegible]॥ गुड। गोनः। कोहको॥
कुः। [illegible] संज्ञये॥ नजकः। वदूमद्दरो॥ [illegible] कम्॥ कहोदसाध्वे॥ दपेनः।
तनकम्॥ मूषकम्॥ क्षिपइकः। कोधिकः। [illegible] प्यादिम्ब्रहनः॥ केहितम्।
सोनः॥ हविराः॥ कजोदःकितः॥ दडिनम्॥ [illegible]॥ कजितम्॥ इविराम्।
नलवं नजिनैम्। कुशिनैम्॥ दोदिनेम्॥ द्रविराम्॥ रक्षिराः। आतः किदिश्व॥ तलिनम्। छलिनम्॥
वनेर नजितैनम्। कुशिनैम्। [illegible] तुहिनम्। नविडविम्। लवपलिपाम्।
वपितुकोः [illegible] विविनम्॥ [illegible]

कि दिर्च २

हृदगा श्रोस्तवे१

नासना । पर्णी ॥ नस्ना । सास्ना । स्थूना । वीणा । कृतो । कोत्स्नम् ॥ निजलो ह्रस्वम् ।
१८ पिलच् ॥ स्तम्भस्य । ... । ...स्याम् ॥ मन्तुः ॥ मन्तुः । दस्तुः । जन्तुः । ...स्तुः
...तुः । सातीन ... ॥ स्तूपः । स्तूपः ॥ पादपः ॥ पापम् । ...दुः । ...ता । नीपः ॥
18 सूपः । कूपः । शिल्पादयः । ... । शिल्पम् । ...तुः । ... । ... । ... । ...
रूपम् ॥ ... । रूपिम् ॥ ... लोदिन्तुः ॥ ... पेतुः । गदपित्तुः ॥ ...
दा... तुः । दानुः । जानुः ॥ ...र ॥ ...तुः । ...वः । ...तुः ॥ स्तूतुः । स्थाणुः ...
...तुः । स्थाणुः । ...तुः । ...तुः ॥ विष्णुः । ... । ककैः । काका । सर्कः । ...
...॥ एकः । भेकः । ...कः । पाकः । हा... । ...का । नौ... ॥ ...कः ।
शावेच्छनड नाड निष्ठ निप्रत्ययाः ॥ शकुनिः ॥ शाकुनाः ॥ शकुनिः ॥ शाकुनिः

गोपेशा २

जामाता। माता भ्राता। पाति पिता। दुहिता। नप्तृ दृशे होता। पोता। सव्येष्ठ:।
स्वसा। पत्ते दीदि:। धाता। ... नन्दा:। ननान्दा। नना नान्दा। नेता नेता।
दिव:। देवा। देवत्ते। नप्तृ। दिदिन्तृ। ना। ना। ... देवानि:। चन्द्ररोसा:।
सत्वरिता:। धनरिता:। धर्मानि:। स्वधानि:। स्वधानि:। लवरिता:। रजानि:।
अर्चादिषु। अर्चि:। शोचि:। हवि:। सर्पि:। भूतेषादजा:। जोति:। जनादि
वसु। जन्तु:। ऋतु:। पतु:। वक्तु:। पत्तु:। हनेशान्तृ। आत्तु:। धीवन्नादनः धन
पल्वशाम:। धीवर:। शाङ्गी। जितद्ध:। धावन:। इन्द्रादर्वी ह। इन:।
... दिन:। जिन:। लोम:। ... दीर्घ:। दीर्घ:। पादर्वी। धा
ना। ... वचन:। ... कर्ता:। ...

... कर्ता: १

वा.स्त.शब्दे ३

अषिवषिभ्यां कित्॥ अवभृथः॥ रभसः॥ गासभः॥ वेद्येमः॥ विशादिभ्यः॥
॥९६॥ वेशन्तः॥ वसन्तः॥ जीवन्तः॥ हन्तेर्हि मुट्॥ हेमन्तः॥ अन्त्यादेन्तः॥ भरन्तम्॥
भमन्तः॥ वमन्तः॥ ढवन्तः॥ भासन्तः॥ कृवः कित्॥ कुवन्तः॥ स्कुआदेन्तः॥
सकुन्तः॥ भन्दन्तः॥ गडिः कडिः॥ कडन्तः॥ शकुन्तादयः॥ शकुः॥ शकुन्तः॥ ॥९७॥
शकुन्तः॥ भजु॥ भाजन्तः॥ केम॥ केमान्तः॥ तुषान्तः॥ कासान्तः॥ सर्त्ते
नपः सुक्॥ सर्पः॥ विटपादयः॥ विटपम्॥ कु गा॥ कुणपम्॥ वलू॥
उलपम्॥ वलादिभ्यः॥ वल्मिका॥ लेख॥ लेखिका॥ इषधिभ्यां त
कः॥ इष्टका॥ अष्टका॥ वीपलिभ्यां लवः॥ वीलवम्॥ पललवम्॥
अलर्थादयः॥ अर्मः॥ हुदमः॥ जृगमः॥ दूताः कित्॥ दूमः॥ कवि

हि ॥ ... ॥ तीव्रस्वाराद्य ॥

रोहित:॥लोहित:॥ श्वादे
ढ़क्षा भामित:॥ हरित:॥ श्येत:॥ उहेसरोवा॥ रोहित:॥ लोहित:॥ श्वादे
रायः॥ श्ववाप्यः॥ स्वहयाप्यः॥ रुमरायः॥ वत्तेराघः॥ अतीनरापः॥ श्र
रायम्॥ ष्ठुसेचनो॥ वसुजः॥ पर्जन्यः॥ वेदेनास्त:॥ वदान्यः॥ श्रमादे
नत्रः॥ श्रमत्रम्॥ नरागतो॥ नेहाति॥ नगत्रम्॥ पात्रम्॥ कवत्रम्॥
वत्रा॥ भादित:॥ मेत्रत:॥ पर्वत:॥ दुःखिनः चित्रभाकितः॥ दषत:॥ रे
जतम्॥ शापादेरपः॥ शापपः॥ दन्तपः॥ आवसपः॥ संवसपः॥ नमो
देवसः॥ नमेसः॥ वेमन्नामोवत्तुदु॥ वेलसः॥ दिवः कितु॥ दिवे
सः॥ कादेनमेः॥ को॥ केनमेः॥ स्वः॥ रात्रमेः॥ शतमेः॥ कतेमेः॥ दिमे

शमपः ३ शायपः
रवपः॥ वंचपः ३

महिषावेरि
कृतमेः कारिणाम

नाश्रीवं
नादाकनिष्ठं वरसकर मोवहिः १

लीकादयः॥ स्थलम्॥ उणादेः॥ स्थलोकम्॥ वल्मीकम्॥ ऊरीषः॥ पुरीषः॥ करीषम्॥ इषी
२० का॥ काटुबीषः॥ केरीषः॥ तृ॥ तनीषः॥ ... कीषः॥ किरीषः॥ पृ॥ पुरीषम्
अम्बरीषः॥ अजोषम्॥ अतिपादे॥ अम्बरीषो निपात्यः॥ कोटी
नः॥ कोपीनः॥ मह॥ महीनम्॥ गम्भी॥ नादूप्त॥ गम्भ॥ गभीरः॥ गम्भीरः॥
वम्र॥ ऊषीनम्॥ वस॥ वसीनम्॥ शीघ्रोवधेवलक्षेवल्लवलन्ते वा लप
लोः॥ शीघ्र॥ शीलम्॥ शोवलः॥ शेवलुः॥ शेवालम्॥ शेपालम्॥
उलूकादयः॥ वलू॥ उलूकः॥ शम्॥ शम्बूकः॥ शालू॥ शालूकम्॥ मराः॥ २०
मराक॥ निष्रोमिः॥ नेमिः॥ ऊर्मि॥ ऊर्मि॥ मुवः कित्॥ भूमिः॥ अ
रनोतेरच॥ ऋष्मिः॥ रश्मिः॥ स्वादेर्निः कित्॥ सूरिः॥ रश्मिः॥ अङ्कनेलोपश्च॥

...मर्द्दकः॥ शम्बूकोजलशुक्तिः॥

सञ्जिभ्यां विध्यः ॥ अस्पि ॥ सक्थि ॥ शुण्ठः क्लिः ॥ शुण्ठिः ॥ कुक्षिः ॥ अक्षः ॥ अ
क्षि ॥ इक्षुः कक्षुः ॥ इक्षुः ॥ अविलम्बिते नि भ्रष्टः ॥ श्रीः ॥ नीः ॥ स्त्रीः ॥ लक्ष्मीः ॥
तन्तुमुद्रा ॥ तद्धौ ॥ वातप्रमापि ॥ वातप्रमीः ॥ प्रपीः ॥ प्रपीः ॥ वल्याद्यः ॥ मी
नक्तिः ॥ अञ्जलिः ॥ मृदु ॥ मत्स्यः ॥ स्वल्पः ॥ अश्विधि ॥ अर्द्धतिः ॥ नेतिः ॥ केवचस्य ॥
५४ त्रु ॥ दुर्वासः ॥ लोहः ॥ लोहशानुः ॥ सुकेचः ॥ शक्रौना ॥ प्रवर्ति ॥ प्रच्छन्नम ॥
गर्भविलिः ॥ गमिष्यतीतिगमी ॥ प्रस्थेमस्यः ॥ किल ॥ प्रस्थेष्ठी ॥ सव्यद्दष्टे
क्रियाम ॥ मन्था ॥ मन्थानौ ॥ पतस्यचाप न्था ॥ पन्थानौ ॥ बलाकाद्यः ॥
बलाका ॥ पन्ना ॥ कृ ॥ खजाकः ॥ पताक ॥ पिनाकः ॥ लड्डाकवाते ॥ लड्डाकः ॥
डुः ॥ खेट ॥ डुर्वेता ॥ भविष्यतिभविष्यति ॥ अभवेत ॥ दधीकम् ॥ अ

नत्सान्

कौलकमा१

उखाञ्जनन्त मोस्त्वैकर्थे ल्मन्त्रशाल् नाहुलको धातल्वम्॥४

नौर

कमठः॥ कलिक चौरिमः॥ केसमः॥ केलिः॥ भुल्याद्ड् किन्दः॥ भुलिन्दः॥
कुपेर्वीरच॥ कुपिन्दः॥ कुविन्दः॥ निषङ्गो वृषिः॥ निषङ्गायिः॥ सर्लो
२१ र्मित्॥ सानसिः॥ खर्जोपिञ्जूरः॥ खर्जूरः॥ कर्पूरः॥ वधूरम्॥ त्रंकु
(२) वेदिः॥ गोकुलम्॥ कुमूलम्॥ कुवल्पैदे दीर्घ स्वः॥ कूपी॥ सिंविष्टेन्
ववरस्प ने॥ सूची॥ शमेर्बः॥ शम्बः॥ उल्बादयः॥ उणसमवाये॥ उल्बम्॥ शु
पलेनो१ च॥ शुल्बम्॥ स्पा॥ स्तम्बः॥ स्तम्बकः॥ शाशापि भ्योदः॥ शादः॥ शाब्दः॥ २१
ऋदादयः॥ अवतीस्वैदः॥ कुन्दः॥ वलिमलितनिभ्यः कयः॥ वल
यम्॥ मलयः॥ तनयः॥ हृञो दुक्॥ हृदयम्॥ मिनोते रुः॥ मेरुः॥

चपलत्वे३ वप्रत्ययः चपलत्वे गुणाभावश्च

वप्रत्ययः३ कौतेर्नुम्

लिं॰

अग्निः॥ वह्निर्दिनिः॥ वं[illegible] निहि॥ भस्मा॥ रिणी॥ दुरिताः॥ योनिः॥ ग्लानिः॥ उ
शपास्पेः॥ बृंहिताः॥ स्पर्शम्॥ छ्विनः॥ पद्मू॥ पार्ष्णिः॥ पत्तेर्दितिः॥ पतिः
शकेन्दत्र॥ शकृत्॥ हन्तेनतिनेहवा॥ हन्ति दुनितमनफा॥ अंहतिः॥
सूक्ताद्वेः॥ कुकीः॥ सूपिः॥ भूत्रिः॥ अद्रिः॥ नादेत्रि॥ नात्रिः॥ अत्रिः॥ प
लिनत्रिः॥ पलत्रिः॥ पड्रिविः॥ मनीत्रिः॥ वेशोदित्र॥ वीचिः॥ प्रपञ्चः कषः॥
प्रश्न आगमने॥ उष्णः॥ पूर्णहिकेलिभ्वदुषः॥ पत्रहम्॥ नहुषः॥ कलु
षम्॥ पीयूषः॥ पीयूतिसोनधातुः॥ पीयूषम्॥ मरोत्तोऽच॥ मञ्जू
षा॥ गण्डूः॥ गण्डूषः॥ शकोदनटः॥ शार्ङ्गटः॥ केकिगतो॥ कंकटः॥

वत्सल अजीगतौ २ ~~[illegible]~~ नसु कौशायाम् ३ ऋि ति: सौत्र: 3 औस सौ

२२ वृबेघने॥ वढि: जसि:॥ गेषि:॥ हसि:॥ वलि:॥ नाहुष घालि॥ ले
षि:। कौषि:॥ छ्रषि:॥ शिषि:॥ तूष्णि:॥ [illegible]॥ तूलि:॥ कमि न निस
नि स्तम्भ मन्तर्दू:॥ १४ क्रिमि:। लिमि:। क्रुलि:। सिम्भि:॥ मनोर सौत्र सौत्रे:
22 नडु:। मुनि:॥ वसेभिलि:॥ वंसि: सौत्र:॥ वलि:॥ वधादेवित्र॥
वापि:। नाजि:॥ ब्राजि:॥ वहेभ:। नोमि:। जाभि:॥ आजि:। भ्राति:।
अघोतुष चारि:॥ वालेर्डन्॥ वि:॥ नो मादय:॥ निपूर्वो येन्॥ नौ
वि:॥ होप्रहि। समानं ख्यापले जनो विलिसखा॥ आङ् पूर्वो भिहि
नो॥ श्रामि:॥ अहि:॥ कादेके॥ लोकिमि:। गृहिनि:॥ पूर्वनि:।

आविगतौ॥

जल्पादरः॥ जन्तोश्मश्रु॥ उत्तः॥ शान्तपतौ तिमत्नुः॥ कुशेशयमोमेदनाः॥

कुसुम्भम्॥ कुशंमम्॥ कुसितम्॥ कुशितम्॥ नरात्गुलाद्रपः॥ तद् श्रो

गानोतरात्गुलाः॥ आकिंचनो॥ अङ्कुशः॥ वेणु॥ वेणाहः॥ पल्वलम्॥

दमप ४ निघमा॥ भिल्लम्॥ पिलिचम्॥ मूषा॥ कम्पाविम्पःशः॥ मूलम्॥ हाकुः॥

अम्बः॥ अवेधः॥ माधिः॥ मापा॥ धारा॥ मध्यम्॥ पुमः॥ सवम

जनेपिकाः॥ जन्यम्॥ जाया॥ अनुपादरः॥ हन्ता॥ अङ्कुरा॥ केनी दक्षौ॥ के

म्पले॥ केन्या॥ वर्षा॥ अन्नोदेविजः॥ अवी॥ पादपौ॥ आयो॥ सं

प्रमानयाम्॥ धीवा॥ पीवा॥ अदेधः॥ अधाश्मघा॥ पातोत्रिः॥ पत्रिः॥

ओ६ यिन्तीयाम् १ ओ६ दक्षो १

२५ वादित्रम्॥ अधिज्ञादिन्धइत्रोत्रो॥ अशित्रम्॥ वहित्रम्॥ धनित्रोऽश्रु
मित्रः॥ त्रैइ। जोत्रम्। प्रहरणम्॥ चितेः केनड् कुरच्॥ विकेनम्। स्रुवैः
स्मः। सूक्ष्मम्। पातेडुमसु॥ पुमान्॥ मेजादेः किप॥ भजिष्योदासः।
त्रचिष्यामिष्ठुम्॥ वसातेः रितः। वसि॥ शास्तिः। अगमस्पतिः। अ
२३ नास्तिः। वीतसेः। विलसिताः। पत्तिः। इयातेर्हस्व॥ इतिः। हुतेः हे
पि भ्यः कोटः॥ किरीटम्। तिरीटम्॥ लोपीटम्। धातोस्तुः॥ वेनः २२
सनः। पपः। अ शोर्दुरतो॥ यशः। उञ्जेर्वलेवलोपः॥ ओजः।
श्रिसः। शिनः। किच॥ क्षिनः। अलेश्चन। उञः। न ग्रोधूः। अशीः।
उववेद [illegible] ओतः।
पञ्चमगतो पीठपालेवी ३ उणो न्माज्ञर्ये ३

म स मत न दा ष्टा: १

मुष्ठू पा दे ४ त्यजि तुम्द्वः १

॥ जन्मा ॥ घृणा ॥ सुचामा ॥ वंहेवं
मन पालो ॥ कर्म्मा ॥ चर्म्मा ॥ भस्मा
स्पष्ट: ॥ ब्रह्मा ॥ नामाधेः ॥ म्ना ॥ नाम ॥ छिद्र ॥ सीमा ॥ वेष्टू ॥ योन
आत्मा ॥ पाप्मा ॥ वेत्र ॥ वेष्टा ॥ अलेभिजिराः ॥ आत्मा ॥ हनि मपि
म्यो सिकः ॥ हे सिका ॥ म सिको ॥ कोनन: ॥ केवल: ॥ गिनउड: ॥ गउड:
हू न्देकौ मि नेलो पक्व ॥ इदम् ॥ कापलोड़ ॥ किम् ॥ धातोरवः ॥
वस्त्रम् ॥ अस्त्रम् ॥ छत्रम् ॥ सिवि मुष्टो टेटू: ॥ सूत्रम् ॥ मूत्रम् ॥
क माढ्ढो: ॥ मंत्रम् ॥ चित्रम् ॥ मित्रम् ॥ उष्ट्र: ॥ पू सोहु स्व: ॥ उष्ट्र: ॥
त्पायलेड्रूद ॥ ख्यौ ॥ गमे नाः ॥ गात्रम् ॥ पद्मादे सिच: ॥ धानित्रम् ॥

दशादशाने ७२

दासः सेवकशूद्रयोः २ · दाशोधीवरः २ · नौ ६ हिंसायाम् १ · सं ३ ६ लक्ष्मल

२८ शुभेच्छुमः ।। जोधुमः ।। मसेरुचः ।। मधुँरः ।। ल्हेः ।। ओहजोपक्षा ।। ल्हँशाम् ।। देवे
छो लजाव ।। दासः ।। देशोक्षा दाशः ।। सोवमेः ऊः सोहिर्डः ।। सूलः ।। ७
पूओयो मुद्गहूखाखा ।। ऊराप्म् ।। खंसतः धिपिस्पहिलेकुडु ।। शिवयम्
शली मुऊरखा ।। ऊवयाः ।। उदिहुशानेवउदोढ्योपक्ष्वा ।। उदव मू ।।
२५ खनेमुढउफलयुपः ।। मुखम् ।। अमेः सः ।। अेसः ।। मुहेः खोमूवी ।। मू
वि: ।। लहैलोप ।। लखः ।। श्रीऊहूखः ।। शिखा ।। माऊ उओमपवे
मपूष्ठः ।। जालेः फलास्योच्चा ।। मुल्फः ।। स्यमोः वुखरोपक्षे ।। पिँकुः ।
पापवि ।। मलोपिमोउः ।। श्मलपाखोमुखवाचो ।। ऊरखंअपते २८

स्यै ३ · मनीपरिणामे ६ · ऽजनमर्दने २ · स्त्रायुधं २

श्री६ अमरको १

नेतः। पालेउद्वेरुद्र। पाथः। अदृर्जले धोनुम्बा॥ अन्धः। आपउद
केतुस्रोतम्भो। अम्भः॥ नोहिर्दवि मः। नमः। इराआगपहा वोआगः
वेदुस्योनुम्भो। अम्भः॥ नमंनेडस्मिन्। नहुः॥ नज्यादः
घमेडु कृ। अंहः। नमेश्च। नेहः। दुदोहवे॥ नमंनेडस्मिन्। वकः॥
किल्॥ नजः। सुवः। सुवसा। वसीरीलू॥ वासः। वे नेनाद्रव कः॥ अनेहेः॥ अने
छन्दः। वेचादेः सुदु॥ वह्नः। पह्नः॥ नमिलनरहचा॥ अनेहेः॥ पुनसि
हसो॥ विधाओवेच्॥ वेधाः। चेदूमाडोडिर॥ चेन्दूमाः। पुनसि
धासः। पेनोधाः॥ डेषः। किन्॥ उषः। दिवेउनासिदनुलाः॥ वरोऽवे
धासः॥ पेनोधाः॥ डेषः किन्॥ उषः॥ अडिः चाः॥ अपपर्णः सलिः॥
नसिः॥ उशना॥ अड्डुनादयः॥ अग्निः॥ अडिः चाः॥ अपपर्णः सलिः॥
अपसः॥ नमः

इत्यमरः २

ॐ जधापाई

= पैं लक्ष्य औ पो लो मासाम एव की ना हः पमः १

२५ कौनोझः। चलेतत्। चैलोनः॥ हे नो गोगुरवे॥ घोनम्॥ धेमेन हस्त्रो
पस्व॥ ध्मा॥ लचनेइ्वि॥ ज पोः श्रीन्त्॥ स्यहे र नि॥ स्यहर्लोः॥ प्रष
नमः॥ प्रणमः। बनेः। बनमः। मडुचलः॥ मडुबम्य॥ सदेरादुपः
॥ सर्वासिनकालेउ रादुपः। उ रादुपोऽपाविलि लाः प्रपोगाम
बुस्त्वप्रपो गो ग्नः॥ ॥ तुमग दीपो मवि सलि॥ घातो
मौविष्णति कालेतु मयस्पस्त दयोषां किपापांम उस्य मानापान्।
मो तुं वजति॥ पाठितु मो ठो॥ तु मे पेव रा॥ तु सं दश कोपालि। २५
कौ वसम पवे तोदु। स्व घेते तो वे।

मशि गलैद

रमश्रु॥ जनेरो जंबूच॥ जो बा॥ हनौः शनीनाव यवे हुवे॥ जंबू ब्रंकम्॥
लिकिशवैस्पलोपश्च॥ केशः॥ फूलेवितः फूस्पपः॥ पालितम्॥ हन्ना
देवुर [illegible] कच कः॥ जेन कः॥ कोन कः॥ वीकयने नापना विपर्ययः॥
वीलेश वी॥ कोचकः॥ पश्चिम गो विनतः॥ पेचकः॥ जे॰ चक्रः॥ जने
नन्हेव॥ जठरम्॥ हपितेः कम्बो हिरव॥ हिरण्पम्॥ लन्नः पासः॥
कपोलः॥ डुसो लेडः॥ डुस्मा॥ दवाते पीनुदु॥ वान्पुन॥ लनोल डेडः॥
सवन॥ लिलडः॥ श्रमकादपः॥ मेपु॥ श्रमेकः॥ प्रपापशुकः॥ पिव
तै॥ पाक॥ वेदीसी॥ श्रवपम्॥ श्रव॥ श्रवजः॥ श्रवमः॥ हिम॥

वि॰ बो॰ के: १ मा॰ गुक लैमामेड नगरिगामादमाः २ प्रयः कुकः सप्रमारशेच २
षः १ गेरतः १ वस्पय सेधः १

२६ विष्णुः। गोष्ठुः। सुष्टुः। सन्नादः। भावादेर्बन्सोऽपवादः। चेयः। जेयः।
धपः। लवः। लावः। ह्रुः। केरः। सः। गरः। आङ्युपसर्ज होनस्य
छन्दस्यनोऽप्रत्ययो। प्रकाशयन्नेऽनेनेति। प्रच्छदः। परिच्छदः। घादिकिन्
श्यनुप्रच्छादः। समवपन्निहादः। मदनस्य॥ मदादीनामप्रत्ययोऽना
२८ वादौ। मदः। परमाः। प्रमदः॥ संमदः। श्रमः। श्रमः। मूलोविभजः। का
ठिन्यपरिक्षेदे वोहनो वप्रत्ययो घनादेशः। दधिघ्नः। सेध्नः
घनः। हनोवधोऽप्रत्ययस्य॥ वधः। धृतोऽथुः। घृतोघातोर
श्रमीवादौ॥ दुवेपकंपनेो॥ वेपथुः। श्वयथुः। सवथुः। २६

इत्याद्येष्वेकवचनेष्वेवपदेषु भवतीत्युक्तम्॥ इत्थंलिङ्गमात्रमुक्तम्॥ वर्षा॥ का
रकेति॥ वा॥ शाकपार्थिवादीनां ... रुत्तरपदलोपस्योपसंख्यानं सिद्धये
षु॥ शाकप्रियमात्रमुक्तम्॥ वृक्षोऽस्ति॥ इत्यादि॥ पूर्वमीमांसितावाचि पुंसाम
र्थ्यापेक्षु॥ पर्यायप्रयोगे गम्ये॥ प्रवीणः॥ कुशलः॥ पूर्वमीमांसित
किम्॥ पर्यायप्रयुंक्ते॥ घञ् भावे॥ पाकः। त्यागः। भावः। दायः॥
संज्ञायामकर्तरि च॥ कर्तृवर्जिते कारके भावे च घञ् संज्ञा
यामसंज्ञायां च॥ प्रत्याहारः॥ दीयतेऽस्मै दायः॥ विक्रियतेऽने
नेति विकारः॥ उपेत्याधीयतेऽस्मादुपाध्यायः॥ घञर्थे कः॥

दुःशा

२८ नेत्रुखरसपूइत्ति सोभागाद्दै इत्तिमद्रवः। दुर्मुखः। दुर्योधनः। दुः-
खेन शिक्ष्यते दुःशासनः। कलिकमेरणा स्यायेप्रोक्तो यदादि
मुखोपपदे सुभहलजो खलु। अदुनाघ्नेन दुर्नाघ्नेन भूपते
१२ दुनाघ्नेन नवै भवता॥ अस्वापि स्वापि क्रियते स्वापि-
कवः। तवानीयो। भावकोपप्रो। अग्रसित वग्मः॥ एष
जीप्रमावसेस्तवेः कलौ विशिराश्च॥ वसन्तो तिवासवेः। नौ २८
का पीतेदेतिम॥ एवेतिमा। मिदे...

स्वपुः। द्विलस्निमकलत्केतो॥ द्विलोधालोस्निमकधालवर्षेनक्के
लेऽव्यौ। कवसोनवनिकेलाः। लेत्रिमः। पङ्क्तिमः। वडूी। धालोलो
ड् किरलोस्नोभावाद्धे। यत्नः। पाड्गो॥ यत्नोः। प्रकाविक्कोः स
लो॥ प्रभृतः। गि भृजः॥ नभूताः। स्वपुः। अंतर्द्धिः। आदिः प्रधिः।
पापोधिः। वाविधिः। भुद्भावे। तोनक्त। कवरामः॥ साधवेला
धावयोभुते। पञ्चमेते। लेनोलिपचलोऽगिनः। पञ्चमेऽस्तो
पमनीस्यावी॥ ईदहुः तुभुवलपू॥ ईषदादिषुप्रभुजमा

२९

पैष्टपरा॥ ओ दैलेपि: स्वरवत्॥ ओ गरौ कार पौ भि सिलं पपत्स प:
स्वरवत्॥ ऋ्मेद्वध्रूपस: ले लैन्तुं को मम न सो न पि॥ समो का हि लता
पौ मौ स स्प प वि घुड्ख्रो:॥ स्व रंपं ना वोऽव ध्रुप ना घ:॥ मो
२८ तुं वा म:। ओ नु म ना:। सो हिलम्॥ सं हिलम्॥ सततलम्। संततलम्॥
मोसस्प पूर्नम्॥ मोस्प वनम्॥ मोस्पाके:॥ अमोलाप:॥ हेमो
व धा दूमो पे॥ व ष्मम्॥ नादुपवाम्लोपा॥ मे का रे ष्व्याक्तो:
लप॥ लैतौ हुदलै॥ लेत्सम॥ च्वत्सम॥ केधाम॥ लपि [illegible]
केऽसम॥ वेतदपो॥ व [illegible]

लत्सा: पदे समास्वाता: गव्वु ष्ठरो माव का पं ग्रो:॥ तवान्नी गोस्व

ञ्चालोपिः। म्नाकादौ॥ चेयृम्। जेयृम्। लेपाद्योऽपि॥ चेलव्यः।
चयनीयः। दित्स्यम्। हिंसालः॥ ष्मा कोपानाद्युत्तोपिः॥ ष्माकान
स्यचिकारः। देयृम्। ऊेयृम्। गेलेयृम्। भुपाकात्॥ पवर्जो नाव्यै
। वादेश्च पप्तम्यः॥ जेयाम्। वेम्पम्। जेस्पम्॥ शावस्म्॥ सद्यम
महेसोलाभ्रमरात्॥ स्मवसौनोद्धे सानावेधान्तोद्धेरात्॥ का
र्धम्। हाधिस्म्॥ वाहस्म्। धौत्सम्। पामेम्। नोस्वम्। वाकाम्।
कृषिनुत्वोभवः। पाऽस्पम्। पाञम्। वाञम्। [illegible]। ने
म्म्। स्पर्धेम्। स्मोनावस्पवेऽवसोंताधानेवनमानेः

योऽस्त्यस्यामिति॥

२८ धृष्टः॥ इषुः॥ स्वाध्यायः॥ प्रश्रितमः॥ श्रपणीयः॥ स्वधेयः॥ मे
लयः॥ मन्त्रयः॥ मोदेवदेवः॥ देहनीयः॥ लेखादिर्ग्रोहेत्यसौ न्याः॥ हिवा
मजो गाचो॥ पजोढ्याँतोः॥ शिवपोषयपू॥ इज्या॥ व्रज्या॥ समज्या॥ निषद्या॥
निपत्या॥ मन्या॥ सुत्या॥ शय्या॥ भृत्या॥ लेत्या॥ हेमोषवृत्तो॥ क्रिया॥
इच्छा [illegible] निपालः॥ सत्तैर्गुरा॥ परिसर्या॥ [illegible]या॥ आस्या॥ ताप
२७ जागर्तेर्गुरा॥ जागर्या॥ हन्तेस्तः॥ हत्या॥ क्तिः॥ धातोः क्तिः॥ स्त्रियां भा
वे॥ कृतिः॥ वृद्धिः॥ स्तुतिः॥ [illegible] स्पर्दोषैः॥ ग्लानिः॥ दृनिः॥ [illegible]॥ श्री
हवत्ता [illegible] नेः॥ संपत्तिः॥ हूतिः॥ [illegible]॥ निरूहितिः॥ २८
ज्ञानिः॥ ग्लानिः॥ म्लानिः॥ [illegible]॥ लूनिः॥ [illegible]

प्रकृतिप्रत्ययपोर्मध्येप्रत्ययाश्रितंकार्यंवद्भवत् ४

गुणोमातोगा ॥ न्यायपदे गुणेमावे ष्यञ्॥ चतुरो भावेभावेत्वतल्प्रत्ययौ ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ इरावत्तु वहुस्वराः सञ्ज्ञाषष्ठ्यन्तः ष्यञ्॥ इत्वा॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ राजसपादपः ॥ राजस्तूपः ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] निपातनादुत्र [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] नोपः ॥

राज्ञः [illegible] निपातनादेपि [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] निपातनादेव राजपथः [illegible]

३० हिम्यः। हृषिः। जिहिः।। जिहिः।। पूर्वं गाढेनां।। सम्मा जेहेतीकेथो भीलघेलोः
पूर्वगाढेवियमानाप्रोतोः गद्यो स्यातः।। गोसिद् जिवे।। वलिवो।। राषि
वो।। मङ मदगुभजुधहिमवंदवसजदविदमुभगाहिमः जित्।। मङदद्रो
देशं मडिलो। मदिलो।। उषिलो। विदिवो।। मुखिवो। उहीरवो। तोपवातेष
फा५ पानां गलिलं।। गुषिलो। संपिलो। गुपिलो। गोमकुलो।। मलेव ... वौः
प्रलिषेगे ... गो।। मलं मुलो। रवडलवो। उदितः गोवेदः।। रषिगो।
३० रुख्। वेमिलो। मेंगवा।। मदे जवुः।। जेरगो।। समासेपर।। सेमासे केलीं
अससनि पूर्वं गाढे वलो मानोउपो: वपपूसमानके लीके भानोप्रभुस्य ३०

म्यः ज्ञोऽग्नेः ॥ क्रौ रिंगाः । औ रिंगाः । स्नू निः ४ । धूम्रौ ॥ सम्व ट्टोटः त्रि श्याः ॥ सम्व
त्नू । सम्प्लितिः ॥ केळी रिंगिः सं म्नायाम् ॥ ब्रजु क्रलेधू निःप्र हृतिः ॥ त्रिमि
दा मडु ॥ त्रि नोधा नो मिंदोद स्वहि प्रा मडु ॥ पञ्चा ॥ स्रजा ॥ नमू नोऽडु ड्रुश्वाः
जवा । मिद्रा ॥ हिदा शिपा । त्रुह्म ॥ शु [illegible] नोहैसान्त ॥ शुक्रम नोहंसां नां त्वि
षा मडु । नेतिः ॥ ईहा । ऋुहा । क्रुयंडा ॥ अत्व. प्राना । स्विषा पडु ॥ त्रि क्रोधा ॥
लोलक्षा ॥ जयद्रूषा ॥ श्र त्रे काम्या ॥ ड्रुकेस्तिपो भानु निर्दिष्टो ॥ पञ्चालिः ॥ पांचिः ।
ऽपि नोस स्नन्यु [illegible] निर्दिष्ट भिन्नः स्विप्रांशुः ॥ काय सा ॥ अर्भि जा । [illegible]
[illegible] ॥ श्रास्वना ॥ घटना ॥ वेन्नजा । वेड़ना ॥ रुद्रना ॥ [illegible] जादिन्व. ५ नाचिः
शालि. ॥ [illegible] ते षा

 भानुनिर्दिष्टाः अनुक्रमराम ४ हारणा ३

३१

इत्थं कालम्॥ पठती त्वप्पे:॥ अ [illegible] प्रथम पूर्वे [illegible] ॥ [illegible] जाति॥
[illegible] ॥ प्रथमं भोजनम्॥ प्रथमे [illegible] ॥ पूर्वे भोजनम्॥ पूर्वे [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] जाति [illegible] पूर्वे [illegible] नित्यमेव [illegible] ॥ [illegible] भोजनं भोजनं जाति॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] काम: [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] :॥
[illegible] :॥ [illegible] सिद्धि:॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ इति श्री [illegible]
[illegible] समाप्तम्॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] नम:
संवत् १८ [illegible] ॥ [illegible]

31

मीनालिमिनोतीत्यालं॥ प्रमाप॥ निमाप। एवं सीलीडो
रात्व वेत्यादि विद्यो पूर्विल्लोय ४

[illegible]

[illegible]